

विचार बिन्दु

जो वस्तु आनंद प्रदान नहीं कर सकती, वह सुन्दर हो ही नहीं सकती। -प्रेमचंद

चुनाव आयोग के अधिकार की शक्ति गाइडेड मिसाइल से कम नहीं है

वर्षों की तरह चुनाव का मौसम भी प्रारम्भ होने वाला है। इस वर्ष के अंत तक राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना तथा मिजोरम में चुनाव होने वाले हैं। संविधान के भाग XV में चुनाव व चुनाव आयोग से संबंधित प्रावधान हैं। अनुच्छेद 324 में यह स्पष्ट घोषणा है कि इस अनुच्छेद में जिन चुनावों का उल्लेख है उनका संचालन का अधीक्षण, निदेशन, नियंत्रण, एक आयोग में निहित होगा जिसे 'चुनाव आयोग' के नाम से कहा गया है।

चुनाव आयोग का मत है कि 'चुनाव आयोग' को अपरिमित अधिकार हैं (Plenary Powers) उसे कार्यपालिका, विधायिका व Quasi Judicial Powers के अधिकार हैं। चुनाव संबंधित कानून भी हैं। चुनाव कानूनों में समय के साथ सुधार होते रहते हैं, किन्तु कई बार चुनाव कानूनों में स्पष्ट संदेश नहीं मिलता वहां चुनाव आयोग को Direction (निर्देश) जारी करने के अधिकार हैं। चुनावों में चुनाव आयोग व जनता व पोलिटिकल पार्टिज से अपेक्षा करता है कि चुनाव शांतिपूर्वक हो और निष्पक्ष हो। चुनाव कानूनों का उद्देश्य है कि मतदाता अपने मत का अधिकार स्वेच्छा से, बिना किसी प्रलोभन के हो और कुछ राजनैतिक पार्टियों के नेताओं व ब्यूरोक्रैसी में Unholy Alliance होने के कारण चुनाव को प्रक्रिया पर दाग है। मतदाताओं में शिक्षा का अभाव तथा कानूनों की जानकारी न होना तथा उनकी गरीबी है इनमें सुधार की आवश्यकता है।

हमारा देश संसार का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, अतः चुनाव निष्पक्ष हों और कालेधन का उपयोग चुनावों में नहीं हो। चुनाव जिताने में Malpractice का उपयोग होता है। चुनाव कानून में प्रावधान है कि मतदाता को प्रलोभन देकर, भय दिखाकर मत प्राप्त करना अपराध है और अपेक्षा है चुनाव भय मुक्त हो जनता को जानकारी उपलब्ध होना चाहिये कि मतदाता जिसे अपना मत देना चाहता है, वह चरित्रवान व्यक्ति है और संविधान को मानता है और मूल कर्तव्य की पालना करता है। चुनावों के नतीजे साबित करते हैं कि कई केन्डीडेट्स ऐसे हैं, जिन पर मुकदमों चल रहे हैं 2 वर्ष व उससे अधिक की सजा होने पर उम्मीदवार को चुनाव लड़ने से अयोग्य किया जा सकता है।

समय-समय पर चुनाव आयोग ने उपरोक्त Malpractice को रोकने के लिये निर्देश जारी किये हैं, जब इस बाबत कानून स्पष्ट नहीं था। एक केस में पहली बार चुनाव आयोग ने Association of Democratic Reforms vs Union of India & Others (रिट पिटिशन नं. 8257/1990) में दिल्ली हाईकोर्ट ने माना कि मतदाता को यह जानने का अधिकार है कि :-

जिस उम्मीदवार को वह मत दे रहा है क्या वह सजा पा चुका है जिसमें जेल जाने की सजा है ऐसे केसों के संक्षिप्त विवरण देने चाहिये।

उम्मीदवार व उसकी धर्मपत्नी तथा Dependent Relation की सम्पत्ति का विवरण। उम्मीदवार कितना पढ़ा-लिखा है और क्या वह चुनाव जीतने के बाद अपने पद के उत्तरदायित्व को निभा सकता है।

चुनाव आयोग को यह अधिकार प्राप्त है कि राजनीतिक पार्टी जिसके टिकट पर उम्मीदवार चुनाव लड़ रही है उनके संबंध में जानकारी प्राप्त कर सके।

उपरोक्त केस की अपील यूनिन ऑफ इंडियन ने सुप्रीम कोर्ट में की (Appeal No.7176 of 2007)

उक्त अपील में यह प्तीड किया कि हाईकोर्ट को उक्त निर्देश न देकर, पिटीशनरों को यह निर्देश देना चाहिये था कि वे संसद में चुनाव कानून में संशोधन कराने की कार्यवाही करें। सुप्रीम कोर्ट ने अपने दिनांक 02.05.2002 के आदेश में निम्नलिखित निर्देश दिये :-

सुप्रीम कोर्ट ने यह माना कि चुनाव आयोग को वृहत अधिकार हैं चुनाव की सभी क्रिया में चुनाव आयोग को अनुच्छेद 324 में अधिकार हैं।

जब तक चुनाव कानून में संशोधन न हो जावे जब तक नये निर्देश चुनाव आयोग दे सकता है। माननीय सुप्रीम कोर्ट ने कन्वैयालाल के केस (AIR 1986 SC 111) में चुनाव आयोग के वृहत अधिकारों को सही माना।

सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि उम्मीदवार की सम्पत्ति व उसके विरुद्ध फौजदारी मुकदमों की कार्यवाही का पूरा विवरण देना चाहिये। उम्मीदवार के लिये यह भी आवश्यक माना है कि वे अपनी

चुनाव कानून में प्रावधान है कि मतदाता को प्रलोभन देकर, भय दिखाकर मत प्राप्त करना अपराध है और अपेक्षा है चुनाव भय मुक्त हो जनता को जानकारी उपलब्ध होना चाहिये कि मतदाता जिसे अपना मत देना चाहता है, वह चरित्रवान व्यक्ति है और संविधान को मानता है और मूल कर्तव्य की पालना करता है।

व परिवार की सम्पत्तियों का पूरा विवरण दें। उम्मीदवार की शिक्षा का विवरण दें। उम्मीदवार के ऊपर कितना कर्जा है उसका विस्तार से विवरण देना होगा।

चुनाव आयोग ने उपरोक्त वर्णित कार्यवाही के बाद भारत सरकार को प्रतिवेदन भेजना और आग्रह किया कि The Conduct of Election Rules, 1961 को संशोधित किया जावे, किन्तु भारत सरकार ने इस संबंध अर्थात् नोमिनेशन पेपर्स के विवरण के बारे में कोई कदम नहीं उठाया आज दिनांक

02.05.2002 पालना नहीं की तो चुनाव आयोग ने अनुच्छेद 324 के तहत दिये गये वृहत अधिकारों के तहत Directions जारी की वे इस प्रकार :-

1) उम्मीदवार अपना नामांकन पत्र दाखिल करते समय उन पांच विषयों का विवरण शपथ द्वारा पेश करेगा, जिसका उल्लेख 2.5.2002 के आदेश में शपथ पत्र नोटरी पब्लिक या अन्य अधिकृत एजेंसी द्वारा कराया जावेगा। शपथ पत्र प्रस्तुत नहीं करना न्यायालय की अवज्ञा माना जावेगा। यदि विवरण गलत हो या महत्वपूर्ण जानकारी को छिपाया गया है तो उसके विरुद्ध कानूनी कार्यवाही हो यों आईपीसी के तहत कार्यवाही हो सकती है।

उपरोक्त जानकारी विशेष अधिकारी के नोटिस बोर्ड पर लगाई जावेगा और सूचनाय विरुद्ध पक्ष के उम्मीदवार व मिडिया को दी जावेगी। विरुद्ध पक्ष के उम्मीदवार द्वारा सही जानकारी उपरोक्त विधि से नहीं दी गई तो उस पर वही कानून लागू होगा।

यहां यह कहना समीचीन होगा कि जहां स्टूटरी कानून न हो वहां चुनाव आयोग के निर्देश उचित कानून माने जावेंगे। सरकार ऑर्डिनेंस लाकर, निर्देशों को निरस्त नहीं कर सकती।

सुप्रीम कोर्ट ने गरीब मतदाता के अधिकार को बहुत महत्व दिया है। मतदाता के लिये सुप्रीम कोर्ट ने Little Man का प्रयोग किया है और निष्पक्ष में उल्लेख किया है कि Little Man के इस मूल अधिकार की रक्षा आवश्यक है। उसे यह अधिकार भी है कि वह विरुद्ध पक्ष के उम्मीदवार के इतिहास की जानकारी ले सके। उसके चरित्र के संबंध की क्या वह सजायापता तो नहीं है। क्या वह राज्य का कर्जदार है। दिनांक 2.5.2002 के सुप्रीम कोर्ट के आदेश को Ordinance लाकर चुनौती नहीं दी जा सकती। संविधान के अनुच्छेद 324 के अनुसार चुनाव आयोग, जहां कोई कानून नहीं है वहां कानून बना सकता है।

देश के मतदाता (Little Man) को उम्मीदवार के Antecedents जानने का अधिकार प्राप्त है। यह उसका मूल अधिकार है। इसका खण्डन करना संविधान के मूल षट्कण का उल्लंघन है संविधान की रक्षक सुप्रीम कोर्ट की आज्ञा को न मानना और उसे Ordinance से Nullify करना संवैधानिक नहीं है। एस.एस. भोला के केस में (1997) 8 SCC 522 में विस्तार से माना गया है। यह Fraud है।

आगामी दोनों चुनाव असाधारण होंगे। अतः हमें पूर्व इतिहास से सीखना चाहिये। हमारे चुनाव कानून बहुत पुराने हैं। चुनाव कानून में नोमिनेशन पेपर को अधिक महत्व दिया है समस्त कानून शपथ पत्र में 5 विषयों पर विवरण देने तक सीमित है। वर्तमान परिस्थितियों में नोमिनेशन पेपर में दी गई जानकारी को बाध्यकारी करना चाहिये। कालेधन वालों और सजायापताओं को अथवा संघीन केस में चार्ज लगने पर चुनाव लड़ने से रोकना होगा।

आजादी के 75 वर्ष पूरे हो रहे हैं किन्तु अभी भी हमारे कई सांसद व विधायक मिडिल पास भी नहीं हैं जबकि अनुच्छेद 45 में 26.1.1950 को 10 वर्ष की अवधि 1 से 14 वर्ष के बालक आठवीं कक्षा पास हो चुके होते। अतः कानून में संशोधन होना चाहिये। सांसद के लिये क्वालिफिकेशन कम से कम बीए पास और विधायक के लिये हाईस्कूल पास होना चाहिये।

उपरोक्त कथन से स्पष्ट है कि चुनाव आयोग को निर्देश देने का अधिकार है, जहां कानून नहीं है वहां ये निर्देश ही कानून माने जावेंगे। इसका कारण यह है कि चुनाव आयोग को अनुच्छेद 324 के तहत Plenary Power प्राप्त है। यह कहना सही नहीं है कि न्यायाधीश को कानून बनाने का अधिकार नहीं है चूंकि न्यायाधीश तो सही कानून की घोषणा करता है। सन 2002 में चुनाव आयोग ने निर्देश दिये थे। उनका आज तक संशोधन नहीं हुआ है। अतः वर्तमान स्थिति को देखते हुये सरकार को चुनाव कानून में संशोधन करना होगा अथवा चुनाव आयोग को निर्देश देने होंगे।

निम्नलिखित विषय पर रूख बनाने चाहिये अथवा चुनाव कानूनों में संशोधन होना चाहिये :-

1) नामांकन पत्र में क्या क्या विवरण देना आवश्यक है तथा कौनसी गलत सूचना महत्व की है, उन्हें गलत भरने अथवा विवरण ही नहीं देने पर नामांकन पत्र खारिज हो सकता है।

2) चुनावों में काले धन का इस्तेमाल होता है अधिकांश लोगों के पास आय से अधिक प्रोपर्टी है, ऐसे लोगों को चुनाव लड़ने से रोका जाना चाहिये। इस संबंध में भी नियम व कानूनी प्रावधान होने चाहिये।

3) संसद या विधानसभा का चुनाव लड़ने वालों की मिनिमम शिक्षा आवश्यक होनी चाहिये। चुनाव कानून में प्रावधान होना चाहिये चुनाव खर्च का सही विवरण नहीं दिये जाने पर चुनाव रद्द करने हेतु कानून बनाना चाहिये। जेल में होने पर चुनाव लड़ने की अनुमति न दी जावे। उम्मीदवार ऐसा कार्य नहीं करे जो संविधान के तथा देश की एकता व अखण्डता के विरुद्ध है तथा दूसरे के धर्म की आलोचना हो। उम्मीदवार अपने भाषणों में संयत भाषा का प्रयोग करे और ध्यान दे कि देश धर्म निरपेक्ष है।

4) जो उम्मीदवार मूल कर्तव्यों के विरुद्ध आचरण करता पाया जावे, उसे चुनाव लड़ने से Disqualify किया जावे। जैसे हिंसा में लीन होने व सार्वजनिक सम्पत्ति की तोड़फोड़ करने वाले व्यक्ति को।

अगर सरकार कानून नहीं बनाती अथवा संशोधन नहीं करती तो स्वयं चुनाव आयोग निर्देश दे सकता है। चुनाव आयोग की शक्ति गाइडेड मिसाइल से कम नहीं है। लोकतंत्र में Fair and Free चुनाव होने चाहिये।

-अतिथि सम्पादक,
पानाचन्द जैन
पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट

धीरजपुरा ग्राम में परिवार के सदस्यों ने मृत्युभोज बंद करने का निर्णय लिया

पगड़ी रस्म के दिन अतिथियों बांटे 101 पौधे, पर्यावरण की रक्षा का संकल्प दिलाया

श्रीमाधोपुर, (निर्स)। ग्राम धीरजपुर में गुराव परिवार ने एक नई पहल की है जो सारहनीय है। महादेव रामजी गुरावा 23 जून को पंचतत्व में विलीन हो गए थे जिनकी पगड़ी रस्म 12 वां के दिन पूर्ण होने पर परिवार ने पांच पीपल के पेड़ शमशान भूमि में लगाये और आए हुए अतिथियों को 101 पेड़ देकर अपने घरों में लगाकर पर्यावरण प्रकृति की रक्षा का संकल्प दिलाया।

मृत्यु भोज पूर्णता से बंद करते हुए श्रद्धांजलि सभा में आए हुए अतिथियों को सादा दाल रोटी खिलाकर एक नई पहल की। अखिल भारतीय एससी-एसटी महासंघ ब्लॉक खंडेला अध्यक्ष गोपाल गुणवत्ता ने बताया कि, यह सब कार्य परिवार की सहमति व बाबा साहब अंबेडकर

श्रद्धांजलि सभा में आए हुए अतिथियों को सादा दाल-रोटी खिलाकर एक नई पहल की

विचारधारा को फॉलो करते हुए पूर्ण करवाया गया है। परिवार के सदस्यों में पांच-भाई दो बहन हैं। ताराचंद, मदन, गोपाल, सोहन, विक्रम सिंह, सोनिया, सजना ने आए हुए सभी अतिथियों को महापुरुषों के साहित्य बांटे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शांति शिक्षा विहार सूरतगढ़ राजेंद्र निम्बाण जेपी बौद्ध खंडेला सीकर रहे। हरिद्वार में अस्थि विसर्जन भी बौर दान दक्षिणा के की। सारे कार्यक्रम बौद्ध धर्म के रीति रिवाजों से किया गया था।



श्रद्धांजलि सभा में आए हुए अतिथियों को परिजनों ने पौधे वितरित किये।

'मंदिर माफी की भूमि को राजस्व रिकॉर्ड में यथावत रखें'

न्यायालय सहायक कलेक्टर ने स्थाई निषेधाज्ञा से पाबंद किया

करोली, (निर्स)। करोली के भाजपा नेता अशोक पाठक की पहल पर मंदिर माफी की जमीन को राजस्व रिकॉर्ड में यथावत रखने के न्यायालय सहायक कलेक्टर ने स्थाई निषेधाज्ञा से पाबंद किया।

भाजपा नेता सामाजिक कार्यकर्ता अशोक पाठक ने मंदिर माफी की जमीनों को खूदबुद करने वाले व रिकॉर्ड में हेराफेरी करने के मामलों को लेकर न्यायालय सहायक कलेक्टर के यहां परियाद लगाया जिसमें पाठक ने खुलासा करते हुए बताया कि मंदिर टाकुर जी प्रयाग शिरोमणि कि खातेदारी की भूमि खसरा नंबर 786, 789, 700, 709, 791, 806, 807, 808, 809 आदि खसरा नंबरों की कुल करीब 20 बीघा भूमि ससेडी गांव में स्थित है। उन्होंने खुलासा करते हुए बताया कि जिस मंदिर माफी की जमीन को सेटलमेंट विभाग को बौर किसी सक्षम न्यायालय के आदेश के राजस्व

ग्रामीण क्षेत्र ही नहीं जिला मुख्यालय स्थित शहर में स्थित मंदिरों की भूमि पर भू माफिया निडर होकर कब्जा जमाए हुए हैं और उन पर अवैध रूप से निर्माण भी कर लिए हैं।

सामाजिक कार्यकर्ता अशोक पाठक ने मंदिर माफी की जमीनों को खूदबुद करने वाले व रिकॉर्ड में हेराफेरी करने के मामलों को लेकर न्यायालय सहायक कलेक्टर के यहां परियाद लगाया था

रिकॉर्ड जमाबंदी में खातेदारी काशतकारी इंद्राज बदलने का कोई अधिकार नहीं है लेकिन यहां सेटलमेंट विभाग द्वारा मंदिर माफी की जमीनों की खातेदारी बिना किसी अधिकार के सायल टाकुर जी के स्थान पर अब्दुल हमीद पुत्र अब्दुल रजाक निवासी करोली के नाम राजस्व रिकॉर्ड में इंद्राज पर अदालत होमोद के वारिसान के नाम राजस्व कर्मियों से मिलीभगत कर

कलेक्टर ने गंभीरता से लेते हुए उक्त जमीन पर अंतरिम अस्थायी निषेधाज्ञा सेवा बंद करते हुए हल्का पटवारी को पाबंद किया गया है कि भूमि को खूदबुद ना करें तथा मौके पर राजस्व रिकॉर्ड की स्थिति यथावत बनाए रखें।

गौरतलब यह कि यहां ग्रामीण क्षेत्र ही नहीं जिला मुख्यालय स्थित शहर में स्थित मंदिरों की भूमि पर भू माफिया निडर होकर कब्जा जमाए हुए हैं और उन पर अवैध रूप से निर्माण भी कर लिए हैं। यही नहीं राजस्व रिकॉर्ड में भी राजस्व कर्मियों द्वारा हेराफेरी कर दी गई है जिन के मामले में पूर्व में राजस्व विभाग के अधिकारियों को खूब शिकायत भी लगीं द्वारा की गई लेकिन राजस्व विभाग के अधिकारी कर्मचारी अधिकारियों को दबा कर बैठ गए और मंदिर माफी की भूमियों पर हो रहे कब्जा, अवैध निर्माण के विरुद्ध कोई कार्यवाही नहीं कर पा रहे हैं।

लेकिन यहां तो नियम कानून की अन्वेषी करते हुए राजस्व विभाग के अधिकारी कर्मचारियों द्वारा लालच में आकर मंदिर माफी की जमीनों को भी उल्टा सीधा कर दिया जाता है। जिस मामले को न्यायालय सहायक

कलेक्टर ने गंभीरता से लेते हुए उक्त जमीन पर अंतरिम अस्थायी निषेधाज्ञा सेवा बंद करते हुए हल्का पटवारी को पाबंद किया गया है कि भूमि को खूदबुद ना करें तथा मौके पर राजस्व रिकॉर्ड की स्थिति यथावत बनाए रखें।

गौरतलब यह कि यहां ग्रामीण क्षेत्र ही नहीं जिला मुख्यालय स्थित शहर में स्थित मंदिरों की भूमि पर भू माफिया निडर होकर कब्जा जमाए हुए हैं और उन पर अवैध रूप से निर्माण भी कर लिए हैं। यही नहीं राजस्व रिकॉर्ड में भी राजस्व कर्मियों द्वारा हेराफेरी कर दी गई है जिन के मामले में पूर्व में राजस्व विभाग के अधिकारियों को खूब शिकायत भी लगीं द्वारा की गई लेकिन राजस्व विभाग के अधिकारी कर्मचारी अधिकारियों को दबा कर बैठ गए और मंदिर माफी की भूमियों पर हो रहे कब्जा, अवैध निर्माण के विरुद्ध कोई कार्यवाही नहीं कर पा रहे हैं।

रेल्वे ओवरब्रिज उद्घाटन के इंतजार में

मंत्री-विधायक की ओर से निश्चित तिथि नहीं मिल रही

हिण्डोन सिटी, (निर्स)। शहर से होकर गुजर रहे राहगीरों के साथ क्षेत्रवासियों के लिए आठ साल में झारेडा रोड स्थित बाईपास पर नवनिर्मित रेलवे ओवरब्रिज (आर.ओ.बी.) तैयार हो चुका है। उद्घाटन के लिए मंत्री-विधायक की ओर से निश्चित तिथि मिलने का इंतजार है।

आरएसआरडीसी की ओर से राज्य सरकार को उद्घाटन के लिए आमंत्रित किया गया है। राज्य सरकार की ओर से झारेडा रोड स्थित बाईपास पर नए आरओबी निर्माण के लिए 31.35 करोड़ रुपये के बजट मंजूर होने पर आरएसआरडीसी की निगरानी में 2015 में रेलवे ओवरब्रिज निर्माण कार्य का शुरु हुआ। निर्माण की अवधि 2 साल रखी गई। जिसमें 2017 में रेलवे ओवरब्रिज तैयार होना था। दोनों तरफ रैमप के मध्य गार्डर डालने के लिए इसी वर्ष रेलवे ने स्वीकृति दी। जिसमें नए साल की शुरुआत में 12 जनवरी को

झारेडा रोड स्थित बाईपास पर नवनिर्मित रेलवे ओवरब्रिज (आर.ओ.बी.) तैयार हो चुका है

करीब 3 घंटे का मेगा ब्लॉक लेकर 2 गार्डर डाले गए। रेलवे की ओर से 3 दिन के लिए मेगा ब्लॉक दिया। जिसके बाद 6 माह स्लेब, फिनिशिंग कार्य, आरओबी की दीवारों पर पेंटिंग से सौन्दर्यकरण, डिवाइडर, क्रॉस वैरियर, रैलिंग और संकेतक लगाने का कार्य पूर्ण हो चुका है।

जिले के प्रसिद्ध धार्मिक स्थली कैलादेवी, श्रीमहावीरजी व बालाजी दर्शनों के लिए देश भर से वर्ष भर 10 लाख से अधिक यात्री निजी साधनों से यहां होकर गुजरते हैं। जिसमें चैत्रिय माह में उत्तर भारत के प्रसिद्ध लक्खी मेला में कैलादेवी माता के दर्शनों के लिए ही पदायत्रियों के साथ निजी

साधनों से 20लाख से ज्यादा यात्री इसी मार्ग से गुजरते हैं। व्यवसायिक दृष्टिकोण से कृषि उपज मंडी यार्ड, को औद्योगिक, कृषको, स्लेट उद्योग, पत्थरों के व्यवसाय, रेल परिवहन से यूरिया के आवागमन व फल-सब्जियों की मंडियों में बड़े वाहनों की दैनिक आवाजाही बनी होने से यहां बाईपास मार्ग का संचालन होना यहां की घनी आबादी के लिए बड़ी मांग रही।

कृषि उपज मंडी के पूर्व अध्यक्ष प्रदीप गर्ग ने बताया कि मंडी क्षेत्र में सीमावर्ती गांवों से किसान मंडी में फलत बेचने के लिए परिवहन साधनों से पहुंचते हैं।

इधर आरएसआरडीसी के धौलपुर यूनिट प्रभारी, सियाराम मीना का कहना है कि झारेडा रोड स्थित नए आरओबी के निर्माण का कार्य पूरा हो चुका है। उद्घाटन के लिए विभाग ने उच्च अधिकारियों के साथ क्षेत्रीय विधायक को पत्र भेजकर तिथि मांगी गई है।

विभाकर शास्त्री ने पुष्कर में पूजा-अर्चना व दरगाह में जियारत की

अजमेर, (कांस)। भारतीय कांग्रेस

कमेटी के सदस्य एवं कांग्रेस के दिग्गज नेता विभाकर शास्त्री ने गुरुवार को एक दिवसीय प्रवास के दौरान तीर्थराज पुष्कर सरोवर की पूजा अर्चना की एवं विश्व प्रसिद्ध ब्रह्मा मंदिर के दर्शन कर देश एवं प्रदेश में सुख शांति एवं समृद्धि की कामना की।

शास्त्री का पुष्कर पहुंचने पर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष संजय जोशी, दामोदर वैष्णव, ताराचंद गहलोत, पार्षद मुखिया, जगदीश कुर्दिया, रविन्द्र नागौर, गौरीशंकर पाराशर, जितेन्द्र गहलोत पुखराज मोहित मल्होत्रा आदि ने माल्यार्पण कर साफा पहनाकर स्वागत किया। कांग्रेस नेता शास्त्री ने महामत्ता ज्योतिबा फुले की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित की। कांग्रेस नेता विभाकर शास्त्री आज खजाजा मोड़नुद्रीन चिरती की मजार पर मखमली चादर एवं अकौदत के फूल चढ़ाकर जियारत कर देश एवं प्रदेश में अमन चैन शांति एवं सांप्रदायिक सौहार्द की दुआ की। इस अवसर सैयद अब्दुल हमीद चिरती, सैयद बाबर चिरती, सैयद अजमत हुसैन चिरती, अब्दुल रज्जाक भाटी गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। पूर्व प्रधानमंत्री लाल

अजमेर, (कांस)। भारतीय कांग्रेस कमेटी के सदस्य एवं कांग्रेस के दिग्गज नेता विभाकर शास्त्री ने गुरुवार को एक दिवसीय प्रवास के दौरान तीर्थराज पुष्कर सरोवर की पूजा अर्चना की एवं विश्व प्रसिद्ध ब्रह्मा मंदिर के दर्शन कर देश एवं प्रदेश में सुख शांति एवं समृद्धि की कामना की।

शास्त्री का पुष्कर पहुंचने पर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष संजय जोशी, दामोदर वैष्णव, ताराचंद गहलोत, पार्षद मुखिया, जगदीश कुर्दिया, रविन्द्र नागौर, गौरीशंकर पाराशर, जितेन्द्र गहलोत पुखराज मोहित मल्होत्रा आदि ने माल्यार्पण कर साफा पहनाकर स्वागत किया। कांग्रेस नेता शास्त्री ने महामत्ता ज्योतिबा फुले की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित की। कांग्रेस नेता विभाकर शास्त्री आज खजाजा मोड़नुद्रीन चिरती की मजार पर मखमली चादर एवं अकौदत के फूल चढ़ाकर जियारत कर देश एवं प्रदेश में अमन चैन शांति एवं सांप्रदायिक सौहार्द की दुआ की। इस अवसर सैयद अब्दुल हमीद चिरती, सैयद बाबर चिरती, सैयद अजमत हुसैन चिरती, अब्दुल रज्जाक भाटी गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। पूर्व प्रधानमंत्री लाल

शास्त्री ने देश एवं प्रदेश में सुख शांति एवं समृद्धि की कामना की

पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के पौत्र एवं कांग्रेस नेता हैं विभाकर शास्त्री

बहादुर शास्त्री के पौत्र एवं कांग्रेस के दिग्गज नेता विभाकर शास्त्री के अजमेर आमन पर कांग्रेसियों ने जयपुर रोड पर माला पहनाकर साफा पहनाकर भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर अजमेर शहर जिला कांग्रेस कमेटी के निवर्तमान महासचिव शिव कुमार बंसल, महेश चौहान, गौरी शंकर चौहान डॉ संजय पुरोहित, हारून रंगेज, सुमेर सिंह चारण, नगर निगम अजमेर में नेता प्रतिपक्ष प्रोपदी कोली, युवा कांग्रेस के जिला अध्यक्ष मोहित मल्होत्रा, एनएसयूआई के अध्यक्ष अब्दुल फरहान अख्तर कुरैशी, सत्या लखन, मोहम्मद कैफ, गौरी शंकर पाराशर, हारून खान सहित कांग्रेस के कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित थे।

राशिफल शुक्रवार 7 जुलाई, 2023



प्रथम सावन मास (शुद्ध), कृष्ण पक्ष, पंचमी तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत् 2080, शतभिक्षा नक्षत्र रात्रि 10:16 तक, आयुष्मान योग रात्रि 8:24 तक, कौलव करण दिन 1:45 तक, चन्द्रमा आज कुम्भ राशि में संचार करेगा।

पंडित अनिल शर्मा ग्रह स्थिति: सूर्य-मिथुन, चन्द्रमा-कुम्भ, मंगल-सिंह, बुध-मिथुन, गुरु-मेघ, शुक्र-सिंह, शनि-कुम्भ, राहु-मेघ, केतु-तुला राशि में। कुमार योग रात्रि 10:16 से सूर्योदय तक है। आज नाग पंचमी, मेलाभ नाग पंचमी और हरदेव पूजा, पंचक है। सर्वश्रेष्ठ चौघड़िया: चर सूर्योदय से 7:25 तक, लाभ-अमृत 7:25 से 10:44 तक, शुभ 12:32 से 2:14 तक, चर 5:38 से सूर्यास्त तक। राहूकाल: 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 5:43, सूर्यास्त 7:20

मेघ आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। संभावित खोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी और कार्यों में प्रगति होगी। दिन के मध्यान्ध पर्याप्त पारिवारिक कार्यों से बाहर जाना पड़ सकता है।

वृष व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेगी। आवश्यक कार्य शोभाता/सुगमता से बने लगेगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

मिथुन नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होगा। अटकें हूए कार्य बने लगेगी। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक मामलों में परिचितों से सहयोग मिलेगा।

कर्क अपनी कार्य योजना को सौंपित रखें। आवश्यक कार्यों में विलम्ब होने का भय बना रहेगा। नवीन कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

सिंह परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव वैसा माहौल रहेगा। सामाजिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में प्रसन्नता-हर्षोल्लास का माहौल रहेगा।

कन्या विवाहित मामलों से राहत मिल सकती है। आवश्यक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला व्यावसायिक मामलों में दुविधा बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्यों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। आर्थिक मामलों में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होगा। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

वृश्चिक घर-परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव वैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी और नौकरपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा।

धनु परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक संर्घर्ष बनेंगे। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

मकर आर्थिक कार्यों से अटके हुए कार्य बने लगेगी। संभावित खोत से धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक संर्घर्ष बनेंगे। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

कुंभ मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। अनहोनी की आशंका से बचा हुआ मन का भय समाप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वाता सफल रहेगी।

मीन घर-परिवार के कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि होगी। आज अर्णागत कार्यों में समय खराब होगा। मन में असंतोष बना रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।